सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 10 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 10 फरवरी, 2025
मूल्य ₹ 3/-

मुझे सफलता का मन्त्र नहीं पता, पर सभी को खुश करने का प्रयास करना ही असफलता का मन्त्र है।
-बिल कासबी

घर में इंग्लैंड से भारत ने जीती लगातार... 7 | कांग्रेस की रणनीति ने किया आप... 3 | मिल्कीपुर में मतदान केंद्र में... 2

राहुल गांधी की सियासी फिरकी में फंसी बीजेपी

फेल हो गया भाजपा का पूर्वोत्तर राज्यों में राजनीतिक प्लान

» मणिपुर के सीएम एन. बीरेन सिंह को देना पड़ा इस्तीफा

» बीजेपी के लिए मणिपुर में आसान नहीं राह, अब किसको मिलेगी सीएम की कुर्सी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अगर मणिपुर के मुख्यमंत्री गृहमंत्री से मिलने के बाद इस्तीफा न देते तो सदन के भीतर अविश्वास प्रस्ताव लाकर उनकी सरकार का गिरना तय था। बद से बदतर होते हालत के बीच मणिपुर में सीएम के इस्तीफे के बाद वहां नये राजनीतिक समीकरण उभर रहे हैं।

राहुल गांधी ने हिंसा के बाद से अबतक मणिपुर के तीन दौरे किये। राहुल गांधी के आखिरी दौरे के महज 6 महीने के भीतर मणिपुर के सीएम एन.बीरेन सिंह को इस्तीफा देना पड़ा। इस्तीफे का मतलब मणिपुर में हिंसा को कंट्रोल न कर पाने की नैतिक जिम्मेदारी बीजेपी ने स्वीकार कर ली है।

राहुल गांधी की गुगली

दरअसल मणिपुर और असम यह वह दो राज्य हैं जहां सत्ता पाने के लिए बीजेपी ने बहुत ज्यादा मेहनत की। वहां के लिए पालिटिक्ल प्रोजेक्ट बनाया और पूर्व की सरकारों को राष्ट्रवाद के नाम पर बदनाम किया। पूर्वोत्तर राज्यों के निवासियो के लिए बीजेपी ने अलग नारे गढ़े और अलग घोषणा पत्र बनाये। वहां के लिए योजनाएं नई थी और जनता को नये सपने दिखाये गये थे। लेकिन मणिपुर में मई 2023 से मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हिंसा चल रही थी, जिससे 250 से अधिक लोग मारे गए और लाखों लोग विस्थापित हुए। इस संकट के बीच, राहुल गांधी ने राज्य की स्थिति का जायजा लेने के लिए मणिपुर के लगातार दौरे किये। राहुल गांधी ने मणिपुर में हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की और उनके दर्द को साझा किया। उन्होंने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि वह समुदायों के बीच शांति स्थापित करने में असफल रही है। इस दौरे के बाद मणिपुर के सियासी समीकरणों में बदलाव देखा गया। विपक्ष ने इस दौरे को एक शक्तिशाली संदेश के रूप में पेश किया, जिससे भाजपा को मणिपुर में अपनी खोई हुई राजनीतिक ज़मीन को फिर से पाना कठिन हो गया। राहुल गांधी के इस दौरे ने न केवल मणिपुर बल्कि पूरे देश में कांग्रेस की स्थिति को मजबूत किया और भाजपा के खिलाफ एक नया सियासी मोर्चा तैयार किया।

पूर्व सीएम पर लगातार लगे आरोप

मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को राज्य में जातीय संघर्ष से निपटने के तरीके को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। एन. बीरेन सिंह ने पिछले वर्ष मणिपुर में हिंसा को लेकर जनता से माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था यह पूरा साल बेहद खराब रहा। मैं राज्य के लोगों से पिछले साल तीन मई से लेकर आज तक जो कुछ भी हुआ है, उसके लिए माफी मागता हूं। कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे इसका दुख है। मुझे उम्मीद है कि 2025 में राज्य में सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और वहां मैतई और कूकी समुदायों के बीच हिंसा जारी रही। सीएम पर मैतई समुदाय का साथ देने का आरोप लगातार आरोप लगा।

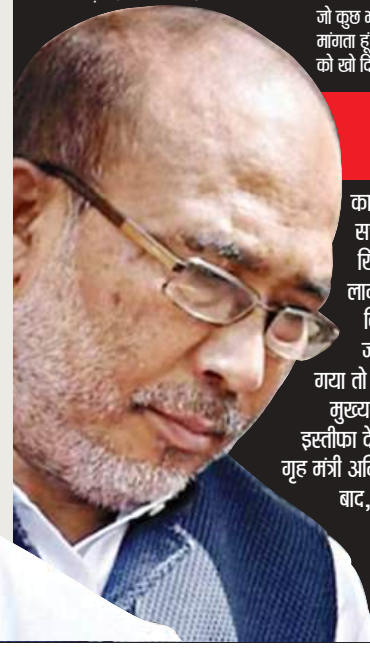

यूं हीं नहीं दिया इस्तीफा

कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा सत्र से पहले मुख्यमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना बनाई थी। विधानसभा सत्र से पहले, जब राजनीतिक दबाव बढ़ गया तो भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को इस्तीफा देने के लिए कहा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद, मुख्यमंत्री ने 9 फरवरी 2025 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह कदम मणिपुर में सियासी बदलाव का प्रतीक माना जा रहा है और इससे राज्य में नई राजनीतिक दिशा की उम्मीद जगी है। हालांकि भाजपा के लिए मणिपुर में सत्ता बनाए रखना कठिन हो गया है। पार्टी को राज्य में सांप्रदायिक संघर्ष और अस्थिरता के बीच अपनी राजनीतिक पकड़ बनाए रखने में दिक्कत हो रही है। पार्टी की नेतृत्व क्षमता पर लगातार सवाल उठ रहे है। खासकर जब राज्य में लगातार हिंसा और दंगे हो रहे हैं। भाजपा को अब नए नेतृत्व की तलाश है, जो मणिपुर की कठिन परिस्थितियों में स्थिरता लाने और दोनों समुदायों के बीच शांति बहाल करने में सक्षम हो।

ऑपरेशन लोटस की जद में पंजाब की आप सरकार

» बीजेपी ने कुछ ही दिनों का मेहमान बताना शुरू किया

» आप ने भी कसी कमर केजरीवाल जल्द करेंगे बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। दिल्ली चुनाव में केजरीवाल की हार क्या नये पालिटिक्ल स्टार्टअप के फेल होने का संकेत हैं? दरअसल दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम ने भारतीय राजनीति के सियासी समीकरण को नए सिरे से परिभाषित कर दिया है। अब भाजपा को विपक्ष के बीच बिखराव की स्थिति का फायदा मिलेगा या? फिर नुकसान होगा। यह बड़ा सवाल है। वहीं दिल्ली चुनावी नतीजों का असर क्या पंजाब की आप सरकार पर भी पड़ेगा? यह सवाल उठाना शुरू हो चुके हैं क्योंकि बीजेपी ने पंजाब की सरकार को कुछ ही दिनों का मेहमान बताना शुरू कर दिया हैं। हालांकि ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि आप के संयोजक जल्द पंजाब के नेताओं के साथ बैठक करके कोई नई रणनीति बनाएंगे।

कई कारणों से हारे केजरीवाल

केजरीवाल ने पार्टी की जीत के बाद शिक्षा, स्वास्थ्य, और भ्रष्टाचार पर अपने एजेंडे को केंद्रित किया था। लेकिन बीजेपी ने केजरीवाल को उन मुद्दों पर घेरा और परेशान किया जो उनकी हद के बाहर थे। मसलन किसी भी अप्रिय घटना के लिए दिल्ली की सरकार को निशाने पर बीजेपी ने लिया। जबकि दिल्ली में कानून व्यवस्था के लिए बीजेपी की जिम्मेदारी बनती थी। वहीं केजरीवाल को शराब नीति पर घेर कर उनके भ्रष्टाचार के मुद्दे की हवा निकाल दी। वही साफ पानी और बिजली के बिल को भी बीजेपी ने मुद्दा बनने ही नहीं दिया। केजरीवाल की पार्टी की नीतियों को लेकर मतदाताओं में कुछ हद तक नाखुशी बढ़ी। शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार के बावजूद, उनके अन्य वादों जैसे नौकरी, महंगाई, और सुरक्षा के मुद्दे पर अपेक्षाएं पूरी नहीं हो पाईं।

पंजाब से आप सरकार की जल्द होगी विदाई : बडौली

हरियाणा भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने दावा किया कि आने वाले समय में पंजाब से भी आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार की विदाई जल्द हो जायेगी। मोहनलाल बडौली ने पंजाब की हालत पर चिंता जताते हुए कहा कि वहां की जनता इन दिनों केजरीवाल की पार्टी के शासन से बेहद दुखी है। पंजाब में जो हालात हैं, वह आप सरकार के कारण हुए हैं। लोग अब इन हालातों से तंग आ चुके हैं और आने वाले समय में पंजाब की जनता इस आपदा से छुटकारा पाएगी और राज्य में बदलाव आएगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों के फौरन बाद आये बडौली के बयान के बड़े सियासी मायने हैं। बडौली कि गिनती बीजेपी के ब्रेन बैंक में होती है और उन्होंने यह बयान सोच समझ कर दिया है। तो क्या उनके बयान को मान लिया जाए कि पंजाब में भी आपरेशन लोटस शुरू हो गया है और वहां भी जल्द कोई नये सियासी तूफान देखने को मिलेगा?

अब यूपी में ध्यान केन्द्रित करेगी बीजेपी

यूपी में बीजेपी का प्रभाव मजबूत है और दिल्ली में केजरीवाल की हार का असर यूपी में पड़ना तय है। महाराष्ट्र चुनाव हो या फिर दिल्ली चुनाव दोनो ही राज्यों में वहा के क्षेत्रीय दलों ने कांग्रेस को हल्के में लिया। दिल्ली में तो आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस से बात करना तक मुनासिब नहीं समझा। इससे पूर्व के चुनावों में कांग्रेस ने सैक्रीफाइज करते हुए खुद का चुनाव से बाहर कर लिया था और वह चुनाव न के बार लड़ी थी।

मिल्कीपुर में मतदान केंद्र में अधिकारियों ने वोट डाला : अवधेश प्रसाद

बोले- भाजपा विधायक सरकारी लोकसभा में उठाएंगे इसका मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। मिल्कीपुर उपचुनाव हारने के बाद सांसद अवधेश प्रसाद ने भाजपा और चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जनता ने अपने मतों से अजीत प्रसाद को विधायक चुना है। भारतीय जनता पार्टी के विधायक सरकारी विधायक हैं। मतदान केंद्र में अधिकारियों ने वोट डाले। लगभग 50,000 बाहरी गुंडे भाजपा को वोट देने आए थे। लोगों ने 10-10 वोट भाजपा को देना कुबूल भी किया है।

सांसद ने कहा कि मिल्कीपुर विधानसभा के ही रायपट्टी बूथ के एक मतदाता के छह वोट डालने का वीडियो भी वायरल हुआ। कहा कि पीठासीन अधिकारियों को 10,000 रुपये भाजपा की तरफ से दिया गया था। उनके पास इसका सबूत है। बाहर के भाजपा के गुंडों को सपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पकड़ा भी है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी वोट की डकैती कराने में शामिल

मिल्कीपुर के पुलिस क्षेत्राधिकारी वोट की डकैती कराने में शामिल थे। तीनों थानों की पुलिस, उपजिलाधिकारी मिल्कीपुर, जिलाधिकारी, एसएसपी ने भी भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए मतदाताओं को लाठी-डंडा व गोली के बल पर डराया-धमकाया। निष्पक्ष चुनाव होता समाजवादी पार्टी की बड़ी जीत होती। उपचुनाव में हुई वोटों की डकैती के मामले को लोकसभा में भी उठाएंगे।

अखिलेश यादव के आवास के बाहर लगी होर्डिंग

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में मिल्कीपुर सीट पर हुए उपचुनाव में सपा को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद से सपा मुखिया अखिलेश यादव सहित नेता और कार्यकर्ता भाजपा और चुनाव आयोग पर जुबानी हमला बोल रहे हैं। इसी कड़ी रविवार को राजधानी लखनऊ में विक्रमादित्य मार्ग स्थित सपा अध्यक्ष के आवास के पास होर्डिंग लगाई गई है। यह चर्चा का विषय बनी हुई है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवास के सामने लगी इस होर्डिंग में लिखा गया है कि, चिट्ठी न कोई संदेश जाने वो कौन सा देश जहां तुम चले गए। विनम्र श्रद्धांजलि चुनाव आयोग। इस होर्डिंग में एक तस्वीर भी लगाई गई है जिसमें अखिलेश यादव समेत कई नेता खड़े हुए हैं। उनके हाथों में एक सफेद कपड़ा है। इसमें लिखा है, चुनाव आयोग। मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर अखिलेश यादव लगातार भाजपा और चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए यहां तक लिख दिया था कि, चुनाव आयोग मर गया है। इसे कफन भेंट करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि जो कुछ भी हो रहा है, सपा की सरकार बनने के बाद इसकी जांच होगी।

यूपी का बजट सत्र हंगामेदार होने के आसार

» 18 फरवरी से प्रारंभ होगा सदन, विपक्ष पूरी तरह तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानमंडल का बजट सत्र 18 फरवरी से शुरू होगा। ये सत्र हंगामेदार होने की संभवना है। विपक्ष ने योगी सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। प्रदेश का सबसे बड़ा विपक्ष सपा इसे लिए अपनी रणनीति बना रही है।

खासकर महाकुंभ हादसे में हुई मौतों और मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जमकर नोक-झोंक होने के भी आसार हैं। सत्र के दौरान राज्य सरकार कुछ अध्यादेश भी ला सकती है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा 18वीं विधानसभा का वर्ष 2025 का प्रथम सत्र 18 फरवरी से आहूत किया गया है। सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। वहीं 20 फरवरी को वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट प्रस्तुत करेंगे। बता दें कि बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में विधानमंडल का बजट सत्र आहूत करने का प्रस्ताव मंजूर किया गया था। बजट सत्र के पहले दिन संयुक्त सत्र में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल अपने अभिभाषण में राज्य सरकार की उपलब्धियों और कार्यों के बारे में बताएंगी।

अगले विस चुनाव में फिनिश होंगे नीतीश : मुन्ना यादव

» राजद विधायक का बड़ा दावा- बिहार में तेजस्वी की ताजपोशी तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरपुर। बिहार की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर से राजद विधायक मुन्ना यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि 2025 के विधानसभा चुनाव में उनका राजनीतिक सफर खत्म हो जाएगा।

विधायक ने कहा कि अब समय आ गया है कि नीतीश कुमार राजनीति से संन्यास लें और लालू प्रसाद यादव की शरण में जाकर विश्राम करें। उन्होंने दावा किया कि अगली सरकार राजद की होगी और तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक मुन्ना यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के अलग-अलग चुनाव लड़ने की वजह से भाजपा को जीतने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि अगर दोनों दल गठबंधन कर चुनाव लड़ते, तो भाजपा को हार का सामना करना पड़ता। उनका मानना है कि विपक्षी एकता की कमी के कारण यह नतीजा आया है, जिससे भाजपा को फायदा हुआ।

'अब नहीं चलेगी नीतीश कुमार की राजनीति'

राजद विधायक ने कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और हर बार 'एक बार फिर नीतीश' के नारे को नहीं अपनाने वाली। उन्होंने नीतीश कुमार की उम्र का जिक्र करते हुए कहा कि अब उन्हें राजनीति से दूर होकर विश्राम करना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बिहार की जनता अब तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री के रूप में देखने के लिए तैयार है और 2025 का चुनाव इसका प्रमाण होगा।

बयान से गरमाई बिहार की राजनीति भाजपा व जदयू ने नकारा

राजद विधायक के इस बयान के बाद बिहार की राजनीति में हलचल मच गई है। जहां राजद समर्थक इसे बदलाव की आहट मान रहे हैं, वहीं जदयू और भाजपा ने इस दावे को खारिज किया है। अब देखना होगा कि 2025 का चुनाव किस करवट बैठता है और क्या तेजस्वी यादव को बिहार की सत्ता मिल पाती है या नहीं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

एक बार फिर चुनावों में औंधे मुंह गिरी बसपा

» आकाश आनंद के हाथ लगी निराशा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हरियाणा के बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी बहुजन समाज पार्टी अपना खाता खोल पाने में नाकाम साबित हुई। पार्टी के नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद के नेतृत्व में लड़े गए दोनों चुनावों में बसपा अपनी सियासी जमीन तक नहीं तलाश सकी। वर्ष 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी उमाशंकर सिंह विधायक बने थे, जिसके बाद से बसपा चुनावों में जीत को तरस रही है।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी का नेशनल कोआर्डिनेटर और उत्तराधिकारी घोषित करने के बाद यूपी व उत्तराखंड छोड़कर देश भर में पार्टी को मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। आकाश के नेतृत्व में बसपा ने हरियाणा चुनाव में गठबंधन किया था, इसके बावजूद पार्टी का कोई भी प्रत्याशी जीत हासिल नहीं कर सका। बसपा को दिल्ली चुनाव से खासी उम्मीदें थी, लेकिन इस बार भी उसे निराशा हाथ लगी है। इससे पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक निराश हैं।

दिल्ली की जनता ने हवा चले जिधर की तर्ज पर वोट देकर भाजपा की सरकार बनाई : मायावती

दिल्ली चुनाव में करारी शिकस्त के बाद भी बसपा सुप्रीमो मायावती ने किसी की जिम्मेदारी तय नहीं की है। नतीजे घोषित होने के बाद उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने हवा चले जिधर की, चलो तुम उधर की के तर्ज पर वोट देकर भाजपा की सरकार बना दी। भाजपा के पक्ष में एकतरफा वोटिंग होने से बसपा सहित दूसरी पार्टियों को काफी नुकसान सहना पड़ा।इसका प्रमुख कारण अब तक दिल्ली में सत्ता में रही आम आदमी पार्टी की सरकार है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को दिए संदेश में कहा कि आंबेडकरवादियों को निराश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि उनके राजनीतिक संघर्ष को जातिवादी पार्टियां आसानी से सफल नहीं होने देंगी। आगे बढ़ने का प्रयास पूरे तन, मन, धन से लगातार जारी रखना है तभी यूपी की तरह बसपा के मूवमेंट को सफलता मिलेगी और बहुत कुछ बदलेगा।

सपा की शर्मनाक हार पर भी बसपा सुप्रीमो ने उठाए सवाल

वहीं दूसरी ओर मिल्कीपुर चुनाव पर बसपा सुप्रीमो ने कहा कि बसपा द्वारा कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ने के फैसले के बाद इस सीट पर पार्टी का कोई उम्मीदवार नहीं उतारा गया था, इसके बावजूद सपा की इतनी शर्मनाक हार कैसे हुई? इस पर सपा के जवाब का लोगों को इंतजार है क्योंकि यूपी में पिछली बार हुए उपचुनाव में सपा ने अपनी पार्टी की हार की ठीकरा बसपा के ऊपर फोड़ने का राजनीतिक प्रयास किया था।

दिल्ली चुनाव में मायावती ने कोई भी जनसभा को संबोधित नहीं किया था। इस फैसले को लेकर भी पार्टी में तमाम चर्चाएं हो रही हैं।

सीएम फडणवीस ने राज ठाकरे से की मुलाकात

» बीएमसी चुनाव साथ लड़ सकती है भाजपा और मनसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच किन मुद्दों को लेकर बातचीत हुई, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है।

भाजपा एमएलसी प्रसाद लाड ने कहा कि, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख ठाकरे ने मुंबई के दादर इलाके में शिवाजी पार्क के पास स्थित अपने आवास पर सीएम फडणवीस को आमंत्रित किया था। हालांकि उन्होंने इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी है। ऐसा माना जा रहा है कि आने वाले बीएमसी के चुनाव को लेकर दोनों नेताओं की मुलाकात हुई है। बता दें, ठाकरे ने पिछले महीने सत्तारूढ़ भाजपा पर जमकर निशाना साधा था। राज ठाकरे ने कहा था कि भाजपा ने एक बार कहा था कि करोड़ों रुपये के घोटाले में शामिल नेताओं को सलाखों के पीछे डाल दिया जाएगा, लेकिन इसके बजाय उन्हें राज्य मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया गया।

कांग्रेस की रणनीति ने किया आप को निराश!

जदयू, लोजपा व एनसीसी को आप ने झटका

» आप के वोटों के बंटने से भाजपा को लाभ

» बसपा व एमआईएआईएम ने बिगाड़ा खेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा ने वापसी कर ली है। उधर आप को चौथी बार सत्ता की कुर्सी पर बैठने का सपना पूरा नहीं हो सका। इन सबके बीच कांग्रेस को हालांकि सीट तो नहीं मिली पर उसकी वोट शेयरिंग में कुछ बढ़ोत्तरी हुई है। इसीलिये कांग्रेस खुश हो रही क्योंकि उसे लगता है कि आप की वजह से उसके वोटर उससे दूर हो गए थे।

हालांकि सियासी गलियारे में ये भी चर्चा हैं कि कांग्रेस व आप का एकसाथ चुनाव न लड़ने का लाभ भाजपा को मिला। यहीं नहीं बसपा व ओवैसी की पार्टी का भी चुनावी मैदान में उतरना आप को नुकसान पहुंचा गया। आम आदमी पार्टी के दो बड़े नेता अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया चुनाव हार गए हैं। अरविंद केजरीवाल को नई दिल्ली सीट पर बीजेपी के प्रवेश वर्मा ने हरा दिया है तो मनीष सिसोदिया को बीजेपी प्रत्याशी तरविंदर सिंह मारवाह ने हरा दिया है। इन बसके बीच ये भी खबर है कि कांग्रेस की रणनीति बनाने राहुल व प्रियंका की बड़ी भूमिका थी। बीजेपी को दिल्ली में 46.85 फीसदी वोट और आम आदमी पार्टी को 43 फीसदी से ज्यादा वोट मिलते दिखाई दे रहे हैं। वहीं कांग्रेस को 6.37 प्रतिशत वोट मिले हैं।

30 भ्रष्ट नेताओं की लिस्ट का क्या हुआ?

अरविंद केजरीवाल ने 30 भ्रष्ट नेताओं की एक लिस्ट जारी की थी जिसमें उन्होंने कई नेताओं का नाम लिया था। केजरीवाल इस लिस्ट के बारे में कुछ नहीं बोलते और जिन लोगों के नाम इस लिस्ट में शामिल थे उन के बारे में भी चुप रहे। इस लिस्ट में केजरीवाल ने नितिन गडकरी का नाम भी लिया था जिस पर नितिन गडकरी ने केजरीवाल को मानहानि का नोटिस भेजा था जिसकी वजह से केजरीवाल को जेल भी जाना पड़ा था। क्योंकि वो कुछ साबित नही कर पाए थे। केजरीवाल ने दूसरों पर लगाए आरोपों को ईटों की तरह इस्तेमाल करके अपनी राजनीति की दीवार खड़ी कर ली।

हिट एंड रन स्टाइल की राजनीति को झटका

अरविंद केजरीवाल की राजनीति का एक सीधा- साधा फॉर्मूला है जो बिल्कूल आसान है लाईट, कैमरा एक्शन और आरोप। चार शब्दों के इस फॉर्मूले के सहारे अरविंद केजरीवाल ने पहले अन्ना आंदोलन के जरिए पूरे देश में अपनी पहचान बनाई। जब वो अन्ना हजारे की बगल में बैठा करते थे फिर दिल्ली में अपनी राजनीति चमकाई जब उन्होंने अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी बना ली। वो लगातार लोगों पर आरोपों के तीर मारकर भागते रहे। ये केजरीवाल की राजनिति का हिट एंड रन स्टाइल था। अरविंद केजरीवाल ने कॉमन वेल्थ घोटाले में शीला दीक्षित पर तमाम आरोप लगाए। लेकिन अपनी सरकार के दौरान शीला दीक्षित के खिलाफ न तो कुछ साबित कर पाए और न ही उन पर कोई कार्रवाई की। अरविंद केजरीवाल ने गैस प्राइसिंग को लेकर मुकेश अंबानी पर आरोप लगाए लेकिन अब तक कोई ठोस सबूत नहीं मिले। उन्होंने गैस प्राइसिंग पर पूर्व पेट्रोलियम मंत्री वीरप्पा मोइली पर आरोप लगाए लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अरविंद केजरीवाल ने बाकायदा एक प्रेस कांफ्रेंस करके ट्रस्ट में हेराफेरी को लेकर पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद पर भी आरोप लगाए थे। ये मामला भी आगे नहीं बढ़ा और इसका कोई नतीजा नही निकला।

आप धीरे-धीरे भाजपा के सामने मजबूत हो रही थी

कांग्रेस के नेताओं में यह संदेश साफ था कि पार्टी इस चुनाव में जीतने की स्थिति में नहीं है, लेकिन कांग्रेस को इस बात का भी डर था कि आम आदमी पार्टी धीरे-धीरे कई राज्यों में विपक्ष की भूमिका की ओर से आगे बढ़ रही थी। पंजाब को तो एक तरह से कांग्रेस से छीनकर अपनी सरकार बनाई है। इस राज्य में पहले दो ही मुख्य पार्टियां थीं, अकाली दल और कांग्रेस इसी तरह दिल्ली में भी यही हाल हो गया था. पार्टी तीसरे नंबर पर पहुंच गई थी।कांग्रेस के लिए जरूरी है कि जो जगह आम आदमी पार्टी लेती जा रही है कम से कम उसको बचाया जाए. इसी रणनीति के तहत जब राहुल गांधी चुनाव प्रचार में उतरे तो उन्होंने पूर्व सहयोगी अरविंद केजरीवाल को निशाने पर ले लिया। राहुल गांधी ने यमुना नदी के किनारे एक डॉक्यूमेंट्री भी बनाई, जिसमें उन्होंने दिल्ली सरकार की नाकामियों को उजागर किया और यह दावा किया कि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के पर्यावरण और गरीबों की बेहतरी के लिए कुछ नहीं किया। इतना ही नहीं बल्लीमारान से कांग्रेस उम्मीदवार हारून यूसुफ के समर्थन में जनसभा करते हुए राहुल गांधी ने केजरीवाल को दिल्ली में मुहैया कराए जाने वाले पानी का एक गिलास पीने की चुनौती तक दे दी थी. राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''एक तरफ दिल्ली के गरीब लोग गंदा पानी पीने को मजबूर हैं. तो दूसरी तरफ झूठे वादे करके सत्ता में आए केजरीवाल शीशमहल में बैठकर अपनी टीम के साथ करोड़ों का भ्रष्टाचार करते है।

रैलियों में आप पर हमलावर रहे राहुल

एक रैली में राहुल गांधी ने कहा, कि केजरीवाल दावा करते हैं कि उनकी राजनीति गरीबों के लिए है, लेकिन जिस वक्त दिल्ली में दंगे हो रहे थे उस वक्त केजरीवाल कहां थे?'' गांधी ने कहा कि वह पहले एक छोटी कार (वैगनआर) में आए, फिर खंभे पर चढ़ गए और नीचे उतरने के बाद सीधे स्वचालित दरवाजे और बड़े टीवी वाले 'शीश महल' में चले गए। प्रियंका गांधी भी इस मामले में पीछे नहीं हटीं। उन्होंने भी प्रचार के आखिरी दिनों में केजरीवाल और उनकी पार्टी पर कई तीखे हमले बोल, उन्होंने दिल्ली की जनता से एक सीधा सवाल पूछा, क्या आपको लगता है कि दिल्ली की जनता को केजरीवाल की सरकार से बेहतर कुछ मिल सकता था?। कांग्रेस नेताओं के इस आक्रामक चुनाव प्रचार से पार्टी को मजबूती मिली और कई सीटों पर उसके वोट अहम हो गए और नतीजा ये रहा कि आम आदमी पार्टी को खासा नुकसान उठाना पड़ गया कांग्रेस प्रत्याशियों ने आम आदमी पार्टी के वोट काट लिए। दिल्ली कांग्रेस नेताओं का कहना है कि दिल्ली में बीजेपी का वोट बैंक पहले से ही मजबूत है, और वे जानते हैं कि उनका मुकाबला बीजेपी से नहीं हो सकता इसलिए, उन्होंने अपनी रणनीति को आप के खिलाफ मोड़ दिया, इस बार कांग्रेस ये समझ चुकी थी कि अगर उसे दिल्ली में वापसी करनी है, तो उसे आप के वोट बैंक को तोड़ना होगा. राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने इस पर पूरी ताकत झोंकी, और उनका यह कदम सही साबित हुआ।

15 दिन के अंदर राहुल गांधी और प्रियंका ने बदल डाला नतीजा

वहीं खबर लिखे जाने तक आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज पीछे चल रहे थे। आम आदमी पार्टी की इस दुदर्शा में बीजेपी के माइक्रो-मैनेजमेंट के साथ-साथ कांग्रेस का भी बड़ा हाथ है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में बीजेपी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। लेकिन बीजेपी की इस जीत में कांग्रेस का भी बड़ा हाथ है ये बिलकुल गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजों से मिलता-जुलता ह गुजरात में कई सीटों पर आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया था। दिल्ली में भले ही कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिल रही हो लेकिन कई सीटें ऐसी हैं जहां पर आम आदमी पार्टी को नुकसान पहुंचाया है, इसमें बड़ी भूमिका राहुल और प्रियंका गांधी की भी

है. इन दोनों नेताओं के चुनाव प्रचार ने 15 दिन के अंदर चुनाव नतीजों को बदल डाला। चुनाव प्रचार के दौरान मैदान में उतरे राहुल और प्रियंका न आप के नेता अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस का यह आक्रमण जितना अप्रत्याशित था, उतना ही प्रभावी भी साबित हुआ।

आम आदमी पार्टी का दिल्ली में कैसा रहा इतिहास

पिछले एक दशक से आम आदमी पार्टी (आप) का दबदबा रहा है. इस पार्टी ने साल 2013, 2015 और 2020 में लगातार अपनी सरकार बनाई. वहीं, इससे पहले 1998, 2003 और 2008 में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी, लेकिन बीजेपी अब साल 1998 के बाद पहली बार सरकार बनाने जा रही है।आंदोलन वाले केजरीवाल से सत्ता वाले केजरीवाल बनने के एक दशक बाद आज दिल्ली की जनता ने उन्हें विधानसभा से भी भेजने लायक नहीं समझते हुए बता दिया कि आरोप लगाने वाली राजनीति नहीं।दिल्ली के लोगों की सेवा करनी है, मैं अकेला कुछ नहीं कर सकता। मैं बहुत छोटा आदमी हूं। साधारण सी चप्पल, नीले रंग की स्वेटर, सफ़ेद कमीज और ढीला-ढाला पैंट पहने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खुद को परिभाषित करने के लिए न जाने कितनी बार इन शब्दों का इस्तेमाल किया होगा। अपने व्यक्तित्व और बोलने कि बेचारगी भरी शैली से किसी को भी पहली नज़र में वह किसी कक्षा के आज्ञाकारी छात्र प्रतीत हो सकते है। ईमानदारी वैसे तो एक शब्द है। लेकिन इस शब्द की ताकत के सहारे ही अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी एक समय दिल्ली के दिलों को जीत कर सत्ता पर काबिज हुई थी। आंदोलन वाले केजरीवाल से सत्ता वाले केजरीवाल बनने के एक दशक बाद आज दिल्ली की जनता ने उन्हें विधानसभा से भी भेजने लायक नहीं समझते हुए बता दिया कि आरोप लगाने वाली राजनीति नहीं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

धनवानों के पलायन पर भी हो चर्चा

हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट' के अनुसार पिछले दो साल से ऐसे लोगों की संख्या औसतन 5,000 रही है। इन अमीरों को आप कभी शिकायत करते नहीं सुनेंगे। ये इतने स्मार्ट हैं कि बिना हौ-हल्ला किये विदेश में जाकर बस जाते हैं। तथ्य यह है कि इनके पास 'सरप्लस' है, और ये भारत में निवेश करने की जगह विदेश का रुख कर रहे हैं।

अभी फिलहाल देश में अमेरिका द्वारा 104 भारतीयों को अमनावीय तरीके से डिपोर्ट का मामला गरमाया हुआ है। इस बीच इसतरह की भी खबरें आ रहीं हैं कि बहुत से भारतीय धनवान देश छोड़कर विदेशों में बस रहे हैं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो देश का रुपया तक लेकर भाग जा रहे हैं और सरकारें या आम जन के स्तर पर शोर भी नहीं मचता है। आखिर ये सवाल उठना लाजमी है कि धनवानों के पलायन पर आवाज कब उठेगी। हेनले प्राइवेट वेल्थ माइग्रेशन रिपोर्ट' के अनुसार पिछले दो साल से ऐसे लोगों की संख्या औसतन 5,000 रही है। इन अमीरों को आप कभी शिकायत करते नहीं सुनेंगे। ये इतने स्मार्ट हैं कि बिना हौ-हल्ला किये विदेश में जाकर बस जाते हैं। तथ्य यह है कि इनके पास 'सरप्लस' है, और ये भारत में निवेश करने की जगह विदेश का रुख कर रहे हैं। इनमें से कई इसलिए देश छो? रहे हैं क्योंकि विदेश में सुरक्षा है और गुमनाम रहने की सुविधा है। इनसे भी जो ज्यादा अमीर हैं, ऐसे करोड़पति, अरबपति और खासकर डॉलर अरबपति कमाई तो भारत में करते हैं और जीते अमेरिका जैसे देशों में है। 'फोर्ब्स' के अनुसार ये केवल 200 हैं।

करोड़पति अगर चुपचाप देश से जा रहे हैं, तो अरबपति विदेश की धरती से तेज आवाज में सरकार की तारीफ कर रहे हैं और इस तरह के मंत्रों का जाप कर रहे हैं कि 'हमारी अर्थव्यवस्था जल्द ही सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रही है', कि यह 'दुनिया में सबसे तेजी से वृद्धि दर्ज करा रही विशाल अर्थव्यवस्था है'। प्रश्न है कि इन समृद्ध लोगों का देश की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने में क्या योगदान है? उनका भारत से पलायन क्यों हो रहा है? सरकार इन पर क्या कदम उठा रही है? विपक्षी दल क्यों मौन धारण किये हुए हैं? डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति पद संभालने के बाद सौ से अधिक अवैध भारतीयों के पहले बैच को अपराधियों की तरह अपमानजनक तरीके से भारत भेजा गया है। सितम्बर- 2024 तक सालभर में अवैध रूप से अमेरिका जाने की कोशिश में 90 हजार से अधिक लोग पकड़े गये थे। ये लोग अपनी जीवनभर की कमाई एवं पूंजी को दांव पर लगाकर अमेरिका जैसे देशों में जाने के वैध एवं अवैध तरीके अपनाते हैं, इनका इस तरह देश छोड़कर जाने का कारण समझ में आता है, लेकिन धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का बढ़ता सिलसिला समझ से परे हैं। ऐसे क्या कारण है कि लोगों को देश की बजाय विदेश की धरती रहने, जीने, व्यापार करने, शिक्षा एवं रोजगार के लिये अधिक सुविधाजनक लगती है, नये बनते भारत के लिये यह चिन्तन-मंथन का कारण बनना चाहिए। इस तरह भारत का अपमान करने की स्थितियों पर भी प्रदर्शन नहीं करना चाहिए?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दीर्घकालीन स्थायी समाधान तलाशें

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

अवैध प्रवासन केवल किसी एक राष्ट्र की नहीं, बल्कि समूचे विश्व की गंभीर और बहुआयामी समस्या बन चुकी है। जब कोई व्यक्ति बिना कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किए किसी अन्य देश में प्रवेश करता है, तो यह उस देश की संप्रभुता, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन जाता है। इसके परिणामस्वरूप आर्थिक असंतुलन बढ़ता है, संसाधनों का अनुचित दोहन होता है और सामाजिक स्थिरता प्रभावित होती है। अधिकांश देश इस समस्या से जूझ रहे हैं और इसे रोकने हेतु कठोर नीतियां लागू कर रहे हैं। अमेरिका ने लंबे समय से अवैध प्रवासन के विरुद्ध सख्त रुख अपनाया है। हाल ही के वर्षों में अमेरिकी प्रशासन ने अवैध प्रवासियों की पहचान और निर्वासन की प्रक्रिया को गति दी है। हाल ही में, अमेरिका ने 104 भारतीय नागरिकों को अवैध प्रवास का दोषी मानते हुए स्वदेश लौटाया, जो यह दर्शाता है कि वह अपने आव्रजन कानूनों को सख्ती से लागू कर रहा है।

अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) के अनुसार, अमेरिका में लगभग 19,000 भारतीय अवैध रूप से रह रहे हैं, जिन्हें शीघ्र ही निष्कासित किया जा सकता है। ट्रंप प्रशासन द्वारा लागू 'लैकेन रिले एक्ट' के अंतर्गत अवैध प्रवासियों की शीघ्र पहचान व निष्कासन की प्रक्रिया तेज की गई थी। इस कानून के तहत, अपराधों में संलिप्त पाए गए प्रवासियों को तत्काल हिरासत में लेकर देश से बाहर निकाला जा सकता है। भारत भी अवैध प्रवासन पर कठोर रुख अपना रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक राष्ट्र को अपने अवैध प्रवासियों की वापसी सुनिश्चित करने में सहयोग देना चाहिए। भारत ने अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर यह संदेश दृढ़ता से दिया है कि अवैध प्रवासन किसी भी देश के हित में नहीं है। अमेरिका से भारतीय नागरिकों का प्रत्यर्पण कोई नई घटना नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया है। वर्ष 2012 से प्रभावी स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर के तहत डिपोर्ट किए गए व्यक्तियों को विशेष सुरक्षा उपायों के साथ विमान में रेस्ट्रेंट्स (बांधकर) भेजा जाता है, जिससे यात्रा के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

अवैध प्रवासन के दुष्परिणाम व्यापक और गहरे हैं। यह न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि आर्थिक संसाधनों पर अनावश्यक भार, अपराध वृद्धि और स्थानीय नागरिकों के

रोजगार में कटौती जैसे गंभीर प्रभाव छोड़ता है। बिना पंजीकरण और सत्यापन के प्रवासियों का प्रवेश किसी भी देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। कई बार ये प्रवासी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का अनुचित लाभ उठाते हैं, जिससे करदाताओं पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव बढ़ता है। साथ ही, ये प्रवासी निम्न वेतन पर कार्य करने को तैयार रहते हैं, जिससे स्थानीय श्रमिकों के रोजगार अवसर प्रभावित होते हैं और श्रम बाजार असंतुलित हो जाता है। अवैध प्रवासन मानव तस्करी और शोषण को भी बढ़ावा देता है। बेहतर जीवन, शिक्षा या रोजगार की तलाश में लोग मानव तस्करों के जाल में फंस जाते हैं और अवैध मार्गों से दूसरे देशों में प्रवेश करते हैं। वहां वे अमानवीय परिस्थितियों में जीवन यापन के लिए विवश हो जाते हैं। इन प्रवासियों को श्रम शोषण, असुरक्षित कार्य वातावरण और बंधुआ मजदूरी जैसी अमानवीय स्थितियों का सामना करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त, महिलाओं और बच्चों की तस्करी भी अवैध प्रवासन से जुड़ी एक गंभीर समस्या है, जो वैश्विक चिंता का विषय बन चुकी है। कुछ स्वार्थी राजनीतिक दल और छद्म मानवाधिकार संगठन अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए इस गंभीर विषय को अनावश्यक रूप से राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि सच्चाई यह है कि प्रत्येक संप्रभु राष्ट्र का परम कर्तव्य अपने नागरिकों के अधिकारों, सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है।

इस विषय को अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति और राजनीतिक समीकरणों के चश्मे से देखना अथवा भ्रामक नैरेटिव गढ़ना केवल कुत्सित प्रचार का साधन है। जब अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे शक्तिशाली देश अवैध प्रवासन पर कठोर नीतियां लागू कर अपनी सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं, तो भारत को भी किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरतनी चाहिए।

कानून, कानून होता है-अवैध सदैव अवैध ही रहेगा। इसे किसी तर्क, भावनात्मक आडंबर या राजनीतिक विचारधारा के आवरण में वैध नहीं ठहराया जा सकता। जो कार्य संविधान और विधि-विधान के प्रतिकूल है, वह किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता। इसलिए प्रत्येक राष्ट्र को अपने कानूनों का कठोर अनुपालन सुनिश्चित करते हुए अवैध प्रवासन को पूर्णत: हतोत्साहित करने के लिए सशक्त, प्रभावी और निर्णायक कदम उठाने होंगे।

आसन्न चुनौतियों के अनुरूप हो वित्तीय संबल

सी. उदय भास्कर

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए रक्षा आवंटन 6,81,210 करोड़ रुपये रखा गया है यानी लगभग 78.7 बिलियन डॉलर। इतनी राशि मामूली नहीं है, जोकि केंद्र सरकार के सकल व्यय (सीजीई) का 13.45 प्रतिशत तो राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद का तकरीबन 1.91 प्रतिशत है। हालांकि, बजट भाषण में रक्षा आवंटन का कोई उल्लेख नहीं था और यह अदृश्यता दिलचस्प है। इस 'अदृश्यता' के बावजूद, इस राशि को विभिन्न अन्य पैमानों के संदर्भ में देखे जाने की जरूरत है और कुल मिलाकर निष्कर्ष निकलता है कि भारतीय सशस्त्र बलों की युद्धक क्षमता को मौजूदा जरूरतों के अनुरूप सुनिश्चित बनाने के लिए जितना धन चाहिए, यह आवंटन उससे कम है। वैश्विक स्तर पर, 2024 में, अमेरिका का सैन्य खर्च 916 बिलियन डॉलर था और 296 बिलियन डॉलर के साथ चीन दूसरे स्थान पर था।

यहां यह याद रखना जरूरी है कि 2018 में रक्षा संबंधी स्थायी समिति (एससीओडी) ने रक्षा मंत्रालय के लिए आवंटन का मापदंड जीडीपी का 3 प्रतिशत रखने की सिफारिश की थी ताकि सशस्त्र बलों की उपयुक्त स्तर की तैयारी सुनिश्चित करने वाले राष्ट्रीय पारिस्थितिकी तंत्र को निरंतर खाद-पानी और पोषण मिलता रहे। हालांकि, यह तीन प्रतिशत आवंटन एक मायावी आंकड़ा बना हुआ है और पिछले चार वर्षों में यानी 2020-21 से मौजूदा वित्तीय वर्ष तक- इस मद में गिरावट आई है। 2020-21 के लिए रक्षा आवंटन जीडीपी का 2.4 प्रतिशत था, जो 2025-26 के लिए घटाकर 1.91 फीसदी कर दिया गया है। पिछले कुछ सालों में इस अंतर की तरफ ध्यानाकर्षण तो बना है, लेकिन यह स्पष्ट है कि टीम मोदी द्वारा यह राजनीतिक निर्णय लिया गया है कि क्षेत्रीय भू-राजनीतिक माहौल और आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां जटिल और चुनौतीपूर्ण बनी रहने के बावजूद रक्षा आवंटन कम रहेगा। वर्ष 2018 में, एससीओडी ने यह सिफारिश भी की थी कि थल सेना के मामले में- जो कि फौज की प्रमुख शाखा है और मूलत: मानव बल आधारित है- उसमें उपकरणों/साजो-सामान का मिश्रण आदर्शक रूप से ऐसा हो कि 30 प्रतिशत धन नए उपकरणों के लिए, 40 प्रतिशत मौजूदा साजो-सामान के वास्ते और 30 प्रतिशत पुरानी पीढ़ी के शस्त्रागार पर लगाया जाए।

लेकिन हकीकत गंभीर है। मार्च 2023 में, सेना ने एक स्पष्ट खुलासे में, स्थायी समिति को अवगत कराया कि सेना के केवल 15 प्रतिशत उपकरणों को ही नए उपकरण श्रेणी में रखा जा सकता है, जबकि लगभग 45 प्रतिशत अस्त्र-शस्त्र-उपकरण पुराने पड़ चुके हैं। सेना के प्रतिनिधि ने संसदीय समिति को यह भी बताया कि '30:40:30' वाली आदर्शक स्थिति पाने को हमें कुछ वक्त लगेगा'। अपर्याप्त राजकोषीय आवंटन और रणनीतिक योजना की विसंगति के कारण पिछले एक दशक में भारतीय सेना की समग्र लड़ाकू क्षमता घटती चलती गई है। 'आत्मनिर्भरता' पाने का शोर मचाने पर ज्यादा जोर देने से इसमें और जटिलता आई है। भारत द्वारा रक्षा मामले में आत्मनिर्भरता की कोशिशें वैश्विक लिहाज से वास्तव में जरूरी हैं, लेकिन युद्धक क्षमता बनाम स्वदेशीकरण एवं आत्मनिर्भरता के मामले में हकीकत उत्साहजनक नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में भारत के रक्षा और सैन्य क्षेत्र में सुधार के सराहनीय संकल्प के साथ पदभार संभाला था और 'आत्मनिर्भरता' बनाने को एक मुख्य मिशन के रूप में चिह्नित किया था। लेकिन एक दशक बाद भी, समग्र दृश्यावली मिश्रित और अपारदर्शी है। एक व्यापक समीक्षा बताती है कि भले ही इस उद्देश्य की प्राप्ति में कुछ सफलता गाथाएं हैं और कुछ बड़ी परियोजनाएं पूरी होने की प्रक्रिया में हैं, लेकिन भारतीय सेना में महत्वपूर्ण साजो-सामान की कमी बनी हुई है। इससे हो यह रहा है कि आज हमारी थल सेना तोपों, टैंकों और व्यक्तिगत हथियारों की कमी झेल रही है। एक नौसेना है, जो विमान वाहक जहाज से संलग्न लड़ाकू विमान और पानी के नीचे उपयुक्त युद्धक क्षमता पाने की प्रतीक्षा कर रही है, एक वायु सेना है जो लड़ाकू विमानों की बेहद कमी से जूझ रही है और एक रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन है, जो अपने किए गए वादे तयशुदा समय-सीमा में पूरे करने में असमर्थ है। लड़ाकू क्षमता और स्वदेशीकरण के दोहरे उद्देश्यों को साकार करने के वास्ते, रक्षा बजट में पूंजीगत व्यय एक महत्वपूर्ण संकेतक है। यथेष्ट आंकड़ा 35 प्रतिशत से ऊपर होना चाहिए और इस मामले में परिदृश्य निराशाजनक है। कुल 6,81,210 करोड़ रुपये के मौजूदा रक्षा आवंटन में, पूंजीगत व्यय 1,80,000 करोड़ रुपये रखा गया है, जो कि 27 प्रतिशत से कम बनता है।

जुलाई 2024 में पीआरएस (संसदीय अनुसंधान सेवा) की एक बेहतरीन रिपोर्ट इस तथ्य को उजागर करती है कि 2014-15 और 2023-24 के बीच पूंजीगत व्यय का हिस्सा घटकर रक्षा बजट के 30 प्रतिशत से भी कम रखा गया। मौजूदा वित्त वर्ष में भी यह आवंटन इसी चलन के अनुरूप है और निकट भविष्य में इसमें बदलाव की संभावना नहीं है। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात है वित्त वर्ष 2024-25 के संशोधित अनुमानों में पूंजीगत व्यय मद से 12,500 करोड़ रुपये की राशि को बिना खर्च किए लौटाया जाना। यह सेना के शीर्ष रक्षा प्रबंधन एवं रणनीतिक योजना का खराब अक्स है, जो पहले ही पुराने पड़ चुके शस्त्रास्त्र एवं उपकरणों आदि सामान की कमी से ग्रस्त है और इस पर ध्यान देना चाहिए। रणनीतिक क्षेत्रों में आकांक्षित तकनीकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता पाने के राष्ट्रीय प्रयासों के केंद्र में अनुसंधान एवं विकास है और इस क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष और परमाणु क्षेत्र एक सफलता-सिद्ध उदाहरण हैं।

महाकुंभ

संगम स्नान के बाद इन स्थानों की करें सैर

प्रत्येक 12 वर्ष में महाकुंभ का आयोजन होता है। महाकुंभ संगम नगरी प्रयागराज में मनाया जा रहा है। इस दौरान करोड़ों लोग पवित्र संगम में आस्था की डुबकी लगाते है। कुंभ के मौके पर देश-विदेश से लोग प्रयागराज गंगा में स्नान के लिए पहुंचते हैं। अगर महाकुंभ में शामिल होने के लिए प्रयागराज जाने की योजना बना रहे हैं तो इस यात्रा को धार्मिक के साथ ही पर्यटन यात्रा भी बना सकते हैं। प्रयागराज में सिर्फ धार्मिक स्थल ही नहीं हैं बल्कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल भी हैं, जो आपको घूमने के लिए शानदार मौका देते हैं। प्रयागराज कई महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों से भरा हुआ है, जिन्हें आप महज दो दिनों की छुट्टी में घूम सकते हैं। तीर्थराज प्रयाग, जहां 33 कोटि देवी-देवताओं का वास माना जाता है, महाकुंभ के दौरान विशेष महत्व रखता है।

हनुमान मंदिर

प्रयागराज में लेटे हुए हनुमान जी की प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध एक प्राचीन मंदिर है। मान्यता है कि गंगा जी की बाढ़ का जल सबसे पहले यहां आता है और हनुमान जी के चरण छूकर वापस लौट जाता है। संगम के पास स्थित यह मंदिर कुंभ या महाकुंभ के दौरान विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है।

त्रिवेणी संगम

यहां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदी का संगम होता है। संगम स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति मानी जाती है। आप यहां नौका विहार का आनंद भी ले सकते हैं। त्रिवेणी संगम को घूमने के लिए सुबह-सुबह या सूर्यास्त के समय के जाएं। संगम स्नान को अत्यधिक फलदायी कहा गया है, लेकिन यह तभी पूर्ण माना जाता है जब श्रद्धालु त्रिवेणी स्नान के बाद अक्षय वट के दर्शन करते हैं।

अक्षयवट

महाकुंभ में पहली बार अक्षय वट के दर्शन कॉरिडोर के जरिए संभव होंगे। हाल ही में अक्षय वट कॉरिडोर का उद्घाटन किया गया, जिसके बाद इसे आम जनता के लिए खोल दिया गया। त्रिवेणी संगम गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम के तट पर स्थित यह 300 साल पुराना वटवृक्ष धार्मिक आस्था का केंद्र है। मान्यता है कि अक्षय वट के दर्शन से मोक्ष प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। महाकुंभ से पहले ही हजारों श्रद्धालु रोज लंबी कतारों में लगकर इस दिव्य स्थल के दर्शन कर रहे हैं। यह श्रद्धा और परंपरा का प्रतीक है।

ललिता देवी

ललिता देवी का यह शक्तिपीठ मंदिर भारत में इलाहबाद के प्रयागराज जिले में स्थित है। देवी सती के 51 शक्तिपीठो में से एक माता ललिता देवी का यह प्राचीन मंदिर माता सती के शक्ति रूप को समर्पित है। इस स्थान पर देवी सती के हाथ की उंगलियां गिरी थी। इस मंदिर के मुख्य गर्भ ग्रह में स्थित ललिता देवी, महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती के रूप में विराजमान हैं। इसीलिए इस देवी को त्रिपुर सुन्दरी के नाम से भी जाना जाता है। यहां की शक्ति रूप को ललिता देवी तथा भैरव को भव कहा गया है। ललिता देवी मंदिर के पास में ही ललितेश्वर महादेव का भी मंदिर है। गंगा, यमुना और सरस्वती इन तीन नदियों के संगम तट से लगभग 5 km दूर मां ललिता देवी का मंदिर स्थित है।

हंसना मना है

मेरी बात गौर से सुनना, अगर कोई आपको पागल कहे तो दुखी मत होना, अफसोस भी मत करना और रोना भी मत, बस आराम से चेयर पर बैठ कर सोचना की। इसको पता कैसे चला।

साइकिल चलाकर पैर दुखे तो बाईक ली, बाईक चलाकर पीठ दुखी तो कार लाये, कार चलाकर पेट निकला तो जिम ज्वाइन किया और जिम में वापस साइकिल, इसे कहते है रिसायक्लिंग।

पत्नी- आप मुझे रानी क्यों बोलते हो? पति - क्योंकि नौकरानी थोडा लम्बा शब्द हो जाता है।। पत्नी गुस्से से- तुम्हें पता है कि मैं तुम्हें जान क्यों बोलती हूं? पति- नहीं। बताओ तो जरा। पत्नी-जानवर थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है इसलिए सिर्फ जान बोल देती हूं।

5 साल का बच्चा- आई लव यू मां, मां- आई लव यू टू बेटा! 16 साल का लड़का-आई लव यू मॉम, मां- सॉरी बेटा, पैसे नही है! 25 साल का लड़का- आई लव यू मां, मां- कौन है वो चुड़ैल? कहा रहती है? 35 साल का आदमी- आई लव यू मां, मां- बेटा मैंने पहले ही बोला था, उस लड़की से शादी मत करना! और सबसे बढ़िया। 55 साल का आदमी- आई लव यू मां, मां- बेटा, मैं किसी भी कागज पर साइन नहीं करूंगी !

कहानी | लक्ष्य पर ध्यान

एक बार स्वामी विवेकानंद अमेरिका में थे। वो दिन वो घूमते-घूमते एक पुल के पास पहुंचे। उनकी नजर पुल पर खड़े बच्चों पर गई। सभी बच्चे बंदूक से पुल के नीचे बहती बड़ी-सी नदी में तैर रहे अंडों के छिलकों पर निशाना लगाने की लगातार कोशिश कर रहे थे। कई कोशिशों के बाद भी वो एक बार भी अंडे के छिलके पर सही निशाना नहीं लगा पाए। यह देखकर स्वामी विवेकानंद बड़े हैरान हुए। उनके मन में हुआ कि मुझे भी एक बार कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने बच्चों से बंदूक मांगी और खुद निशाना लगाने लगे। स्वामी ने बंदूक तानी और अंडे के छिलके पर पहली बार में ही निशाना लगा लिया। पहला निशाना सही लगने के बाद उन्होंने एक के बाद एक कई सारे अंडे के छिलकों पर सही निशाना लगाया। स्वामी के निशाने की कला को देखकर बच्चे हैरान रह गए। बच्चों ने स्वामी से पूछा कि आखिर वो कैसे एक के बाद एक सही निशाना लगा रहे हैं। आगे बच्चों ने कहा कि वो बहुत देर से उन छिलकों पर निशाना लगाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। हमें भी बताइए सही तरीके से निशाना लगाने के लिए क्या करना चाहिए। स्वामी विवेकानंद ने बच्चों को जवाब देते हुए कहा कि इस दुनिया में ऐसा कोई काम नहीं है, जो किया नहीं जा सकता। दुनिया में कोई भी काम असंभव नहीं है। बस अपना सारा ध्यान उस काम की तरफ लगाओ, जिसे तुम्हें करना है या जिसे तुम कर रहे हो। उन्होंने आगे बताया कि अगर निशाना लगाते वक्त तुम्हारा सारा ध्यान अंडे के छिलके पर होता, तो तुम निशाना ठीक तरीके से लगा पाते।

कहानी से सीखः लक्ष्य को पूरा करने की चाहत रखने वाले को हमेशा पूरा ध्यान उस लक्ष्य पर ही रखना चाहिए। ऐसा करने से लक्ष्य चूकता नहीं है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

विवेक से कार्य करें, लाभ होगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च की अधिकता से मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा।

वृषभ

जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। आर्थिक साधनों में बढ़ोतरी होगी। सामाजिक कार्यों में सीमित रहना चाहिए। समय का सदुपयोग होगा।

मिथुन

व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। बेरोजगारी दूर होगी। जल्दबाजी न करें। प्रवास में सावधानी रखें। विरोधियों एवं शत्रुओं के कारण अशांति होगी।

कर्क

व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। व्यापार में स्वयं के निर्णय से काम कर पाएंगे। स्थायी संपत्ति क्रय करने में जल्दबाजी न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

सिंह

व्यापार, नौकरी में स्थिति मध्यम रहेगी। बुद्धि, विवेक से कार्य करने पर विघ्न-बाधाएं दूर हो सकेंगी। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। मेहनत अधिक होगी।

कन्या

प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में गति आएगी। आर्थिक समस्याओं का निराकरण संभव है। कार्यसिद्धि होगी।

तुला

मान बढ़ेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। परिवार में शांति का अनुभव होगा। व्यापार-व्यवसाय में अनुकूल अवसर प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे।

वृश्चिक

धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। प्रसिद्ध व्यक्ति से मेलजोल बढ़ेगा। मकान, वाहन के क्रय-विक्रय की चर्चा संभव है। संतान की प्रगति से मन प्रसन्न रहेगा।

धनु

वस्तुएं संभालकर रखें। आर्थिक स्थिति से ऋण की समस्या उभरेगी। चापलूसों से सावधान रहें। लेन-देन में सावधानी रखें। अनिर्णय की परिस्थिति से दूर रहना चाहिए।

मकर

आय में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भौतिक सुख-साधनों की प्राप्ति होगी।

कुम्भ

आर्थिक क्षेत्र में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। कार्यस्थल पर सुधार होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। योजना फलीभूत होगी। धनार्जन होगा। अध्ययन में रुचि बढ़ेगी।

मीन

राजकीय सहयोग मिलेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। अपनी भावनाओं को संयमित रखकर कार्य करें।

बॉलीवुड | मन की बात

शरीर के लिए दारू और तम्बाकू से भी ज्यादा विषैली है चीनी : नागा

नागा चैतन्य इन दिनों अपनी फिल्म थंडेल को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 2018 की एक वास्तविक घटना पर आधारित है, जहां आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम के मछुआरों का एक ग्रुप अनजाने में पाकिस्तान के पानी में घुस गया और उन्हें हिरासत में ले लिया गया। थंडेल नागा चैतन्य के करियर में बड़ी फिल्म साबित हो सकती है और वह फिल्म को बढ़ावा देने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। अपने निजी जीवन से लेकर अपने करियर के बारे में बात करने तक, चैतन्य ने कोई कसर नहीं छोड़ी है। एक्टर हाल ही में एक पॉडकास्ट पर आए और फिटनेस को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया जिस कारण निशाने पर आ सकते हैं। एक्टर ने बताया कि उन्हें क्यों लगता है कि चीनी किसी के शरीर के लिए सबसे हानिकारक है। चाय ने रॉ टॉक्स विद वीके पॉडकास्ट पर कहा, चीनी आपके शरीर के लिए सबसे बड़ा विष है। शराब बेहतर है, तम्बाकू बेहतर है, कुछ भी बेहतर है। नागा चैतन्य ने तब चुटकी लेते हुए कहा, कृपया इस पर मुझे कोट मत करना। मैं बस इतना कह रहा हूं, इस पर रील मत बना देना। मेरा मानना है कि चीनी हमारे लिए कैंसर, मधुमेह जैसी कई समस्याएं पैदा करती है और ऐसी कई चीजें हैं जो जीवन के लिए खतरा हैं। इसलिए मैं बहुत सचेत हूं। मैं बहुत कम चीनी खाता हूं, केवल अपने चीट डेज में। जब उन्हें बताया गया कि उन्होंने हाल ही में कान्स में मैग्नम आइसक्रीम ब्रांड को रिप्रेजेंट किया था, तो उन्होंने कहा कि वह अपने चीट डे पर केवल चीनी का सेवन करते हैं और वह भी बहुत कम। इस बीच, नागा चैतन्य को फिलहाल थंडेल में देखा जा रहा है और उन्हें पसंद भी किया जा रहा है।

बिग बी के ट्वीट से बेचैन हुए फैंस

बॉलीवुड | गपशप

अमिताभ बच्चन लाख बिजी हों, पर वह रोजाना ब्लॉग और ट्विटर पर अपने दिल का हाल जरूर बयां करते हैं और मन के विचार भी साझा करते हैं। लेकिन कुछ घंटे पहले अमिताभ ने एक ऐसा ट्वीट कर दिया, जिससे फैंस घबरा गए और पूछने लगे कि आखिर क्या हुआ। सब ठीक तो है?

82 वर्षीय अमिताभ बच्चन ने 7 फरवरी को रात 8 बजकर 34 मिनट पर ट्वीट किया, जाने का समय आ गया है। इस ट्वीट को देख फैंस परेशान हो गए। एक फैन ने लिखा, ऐसा मत बोला करिए सर। एक अन्य फैन ने पूछा, क्या हो गया सर? एक और फैन का ट्वीट था, सर जी क्या लिख रहे हैं आप मतलब?

अमिताभ बच्चन ने अपने इस ट्वीट में कुछ क्लियर नहीं किया कि उन्होंने जाने की बात किस संबंध में लिखी या वह किस बारे में बात कर रहे थे। पर उनके इस ट्वीट के बाद फैंस की बेचैनी बढ़ गई है और वो जानने को बेताब हैं कि आखिर हुआ क्या है।

अमिताभ ने हाल ही बेटे अभिषेक बच्चन का 49वां बर्थडे मनाया था। इस मौके पर उन्होंने नन्हे अभिषेक की तस्वीर शेयर की थी। यह तस्वीर अभिषेक के पैदा होने के समय की थी। तब अभिषेक बच्चन को इनक्यूबेटर में रखा गया था और अमिताभ मेटरनिटी वार्ड में खड़े होकर उन्हें निहार रहे थे।

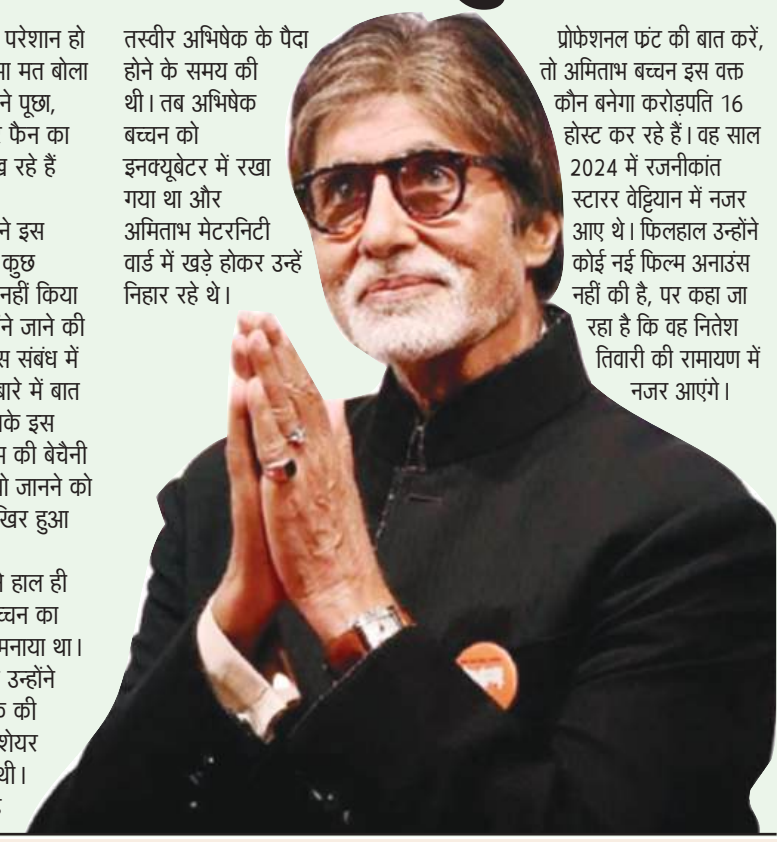

प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, तो अमिताभ बच्चन इस वक्त कौन बनेगा करोड़पति 16 होस्ट कर रहे हैं। वह साल 2024 में रजनीकांत स्टारर वेट्टियान में नजर आए थे। फिलहाल उन्होंने कोई नई फिल्म अनाउंस नहीं की है, पर कहा जा रहा है कि वह नितेश तिवारी की रामायण में नजर आएंगे।

बेटे वेदविद का चेहरा नहीं दिखाएंगी यामी गौतम

यामी गौतम धर और उनके पति व फिल्ममेकर आदित्य धर मई 2024 में बेटे वेदविद के पैरेंट्स बने थे। यामी ने हाल ही में मदरहुड के बारे में बात की। उन्होंने ये भी बताया कि उनके बेटे का चेहरा फैंस नहीं देख पाएंगे। बता दें कि यामी और आदित्य अपकमिंग मूवी धूमधाम के प्रमोशन में बिजी हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। इसमें प्रतीक गांधी हैं।

कहा, मुझे लगता है कि जब आप मां बनती हैं, तो मुझे यकीन है कि यह माता-पिता दोनों के लिए सच है, लेकिन विशेष रूप से एक मां के लिए, आपका पूरा जीवन हर संभव तरीके से बदल जाता है। आप जो भी रही हैं, आपने जो भी काम किया है - वह एक तरफ है और यह आपका खुद का एक बिल्कुल अलग फेज है, जिसके लिए आप कभी तैयार भी नहीं होती हैं।

आप उसे नहीं देख पाएंगे

अपने बेटे को मीडिया की चकाचौंध से दूर रखने के बारे में बात करते हुए यामी ने कहा कि यह फैसला उन्होंने अपने पति आदित्य धर के साथ मिलकर लिया है। उन्होंने कहा, आप उसे नहीं देख पाएंगे। मेरा मतलब है कि यह एक बहुत ही निजी फैसला है जो आदित्य और मैंने लिया है। मुझे लगता है कि हर बच्चे को वह बचपन मिलना चाहिए। इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है और हम चाहते हैं कि वह इस जीवन का आनंद उठाए, इस आशीर्वाद का आनंद उठाए।

अजब-गजब | ये है अनोखा वेडिंग हाल

अंग्रेजों के जमाने में यहां बंद रहते थे कैदी और अब बजती हैं शहनाइयां

राजकोट। पहले के समय में लोग शादी के कार्यक्रम अपने घर के आंगन में करते थे, लेकिन अब घर के बाहर किराए पर पार्टी प्लॉट या बैंक्वेट हॉल लेकर शादी के कार्यक्रम किए जाते हैं। आज हम आपको राजकोट में स्थित एक अनोखे कम्युनिटी हॉल के बारे में बताने जा रहे हैं। यह कम्युनिटी हॉल पहले एक जेल थी, जिसका नवीनीकरण कर इसे कम्युनिटी हॉल में बदल दिया गया है, तो चलिए इस बैंक्वेट हॉल के बारे में जानते हैं।

एसीपी मुनाफ पठान के मुताबिक, 1892 में अंग्रेजों ने इस जेल का निर्माण करवाया गया था। इसमें कैदियों को भी रखा जाता था। 2021 में इस जेल का रेनोवेशन कर इसे 'रामनाथ पारा कम्युनिटी हॉल' नाम दिया गया। इसका उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के हाथों किया गया और इसे राजकोट पुलिस को सौंपा गया।

बता दें कि शादी या अन्य किसी कार्यक्रम के लिए इस कम्युनिटी हॉल को किराए पर दिया जाता है। यहां जैसा विशाल पार्किंग राजकोट शहर में कहीं और नहीं

मिल सकता। हॉल में 10 कमरे अटैच बाथरूम के साथ हैं। साथ ही हॉल में अच्छी-खासी खुली जगह भी है, जिससे कोई भी बड़ा कार्यक्रम यहां आसानी से हो सकता है।

1892 में बनाई गई इस जेल का अच्छे से रेनोवेशन किया गया है, जो पुरानी और शाही शैली को दर्शाता है। पुलिस परिवार के लिए इस हॉल का एक दिन का किराया 3000 रुपये और अन्य लोगों के लिए 15000 रुपये है। कार्यक्रम की अनुकूलता के अनुसार हॉल की बुकिंग कराई जा सकती है, लेकिन अगर शादी जैसा कार्यक्रम हो तो कुछ दिन पहले बुकिंग कराना बेहतर रहेगा।

ये है 'बाहुबली बैल' खाने में चाहिए शाही इंतजाम, कीमत पूरे पांच लाख

मेले में छाया ये 'बाहुबली बैमंड्या: मेले में आपने झूले देखे होंगे, मिठाइयों की खुशबू सूंघी होगी और दुकानों पर तरह-तरह की चीजें खरीदी होंगी, लेकिन क्या कभी ऐसा हुआ है कि एक बैल मेले का हीरो बन जाए? जी हां! मुडुकुतोरे मल्लिकार्जुन स्वामी मेले में इस बार ऐसा ही एक सितारा चमक रहा है। जो है HF नस्ल का भारी-भरकम बैल, जो की मेले का सुपरस्टार बना हुआ है। जैसे ही लोग मेले में कदम रखते हैं, उनकी नजर सीधे नटराज अरस के इस शाही बैल पर टिक जाती है। कर्नाटक के मंड्या जिले के मलवल्ली तालुका के मल्लिनाथपुर गांव से आए नटराज इस बैल को पिछले चार साल से पाल रहे हैं और भाई साहब, ये कोई मामूली बैल नहीं, बल्कि पूरे 1 टन 100 किलो का है। अब सोचिए, इतने भारी-भरकम शरीर को मेंटेन करना भी कोई आसान काम नहीं। नटराज इसे रोज दूध, मक्खन, सूखा चारा और हरा चारा खिलाते हैं। नतीजा? बैल का शरीर ऐसा दमदार हो गया कि लोग देखते ही रह जाएं?, अब भाई, ऐसी शाही कद-काठी वाला बैल सस्ता तो मिलेगा नहीं। नटराज ने साफ कह दिया—5 लाख मिले तो बैल तुम्हारा मेले में बाहरी राज्यों से आए दलाल और किसान इसे खरीदने में दिलचस्पी तो ले रहे थे, लेकिन जब कीमत सुनी, तो बस सर खुजाते रह गए। बैल को देखने वालों की भीड़ तो हर दिन बढ़ती जा रही है। लोग सेल्फी खींच रहे हैं, इसे छूकर देख रहे हैं और इसकी सेहत और खान-पान के बारे में पूछताछ कर रहे हैं। लेकिन असली सवाल यही है—क्या कोई दिलदार खरीदार मिलेगा जो 5 लाख की बोली लगा सके?

वोट के लिए पैसा और शराब खुलेआम बांटी गई : सिसोदिया

» आप नेता बोले- आचार संहिता का उल्लंघन हुआ

» हम विश्लेषण करेंगे क्यों हारे : आतिशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में भाजपा का 26 साल का वनवास समाप्त हो चुका है। प्रचंड बहुमत के साथ भाजपा ने राजधानी में वापसी की है। बीते 10 साल से दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी का किला ढह गया। चुनाव परिणाम के बाद आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा, अरविंद केजरीवाल ने उन आप उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ाया, जो चुनाव नहीं जीत पा रहे हैं। सभी ने बहुत अच्छे से चुनाव लड़ा, जबकि पूरी मशीनरी का इस्तेमाल किया गया।

पैसा, शराब खुलेआम बांटी गई। भारत के चुनाव आयोग के नियमों और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया गया। हम अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों की सेवा करेंगे। वहीं बैठक के बाद आप नेता आतिशी ने कहा, अभी विश्लेषण चल रहा है कि आप क्यों हारी, लेकिन यह दिल्ली की जनता का जनादेश है। हम जनादेश का सम्मान करते हैं। यह चुनाव इतनी गुंडागर्दी के साथ हुआ, ऐसा चुनाव दिल्ली के इतिहास में कभी नहीं हुआ होगा। जहां खुलेआम पैसे बांटे जा रहे हैं, खुलेआम शराब बांटी जा रही है, पुलिस खुलेआम बंटवा रही है और जो इसकी शिकायत कर रहा है, उसे जेल में डाला जा रहा है। लेकिन हम दिल्ली की जनता के जनादेश को स्वीकार करते हैं और विरोध के रूप में रचनात्मक भूमिका निभाएंगे।

विधायकों से बैठक के लिए भाजपा ने एलजी से मांगा समय

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारी जीत दर्ज करने के एक दिन बाद भाजपा ने रविवार को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के साथ नवनिर्वाचित पार्टी विधायकों की बैठक के लिए समय मांगा। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सक्सेना को पत्र लिखकर शहर के 48 नवनिर्वाचित पार्टी विधायकों और सात लोकसभा सांसदों के साथ बैठक के लिए समय मांगा।

आप को हराने में कामयाब रही पार्टी : देवेंद्र यादव

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में बुरी तरह हारने के बावजूद प्रदेश कांग्रेस के नेता परिणाम से खुश नजर आ रहे हैं। उनका मानना है कि इस बार उनका मुख्य उद्देश्य चुनाव जीतना नहीं, बल्कि आम आदमी पार्टी को हराना था और मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने का अधिक लक्ष्य था। कांग्रेस इस लक्ष्य में काफी हद तक कामयाब हो गई है। नेताओं का कहना है कि यदि उनकी पार्टी ने इस बार चुनाव में पूरी ताकत से आप को चुनौती नहीं दी होती, तो पार्टी का जनाधार बढ़ाना संभव नहीं होता। कांग्रेस का अधिकांश वोट बैंक कुछ साल में आप को स्थानांतरित हो चुका है, जिससे पार्टी की चुनावी स्थिति कमजोर हुई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने एक रणनीति के तहत दिल्ली न्याय यात्रा निकाली थी। उनका उद्देश्य था कि वे भाजपा के साथ मिलकर आप को चुनावी नुकसान पहुंचाएं और इस तरह से कांग्रेस को फिर से जनमानस में प्रासंगिक बनाया जाए। देवेंद्र यादव का कहना है कि इस यात्रा ने अपना उद्देश्य पूरा किया, क्योंकि कांग्रेस के प्रयासों के कारण 14 सीटों पर आप को नुकसान हुआ और वह सत्ता से बाहर हो गई। कांग्रेस का यह कदम केवल चुनावी हार से कहीं अधिक था। कांग्रेस ने इस बार अपनी हार को एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा, जो पार्टी के पुनर्निर्माण की दिशा में एक जरूरी मोड़ साबित होगा।

राजस्थान का सद्भाव और सम्मान तार-तार कर रही भाजपा : पायलट

» विधायक गोपाल शर्मा की टिप्पणी पर भड़के पायलट, कहा- अपने बेबुनियाद बयान के लिए जनता से माफी मांगे भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भाजपा विधायक गोपाल शर्मा द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री स्व. शिवचरण माथुर एवं तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर लगाए गए आरोपों को निरर्थक एवं आधारहीन बताते हुए इसकी कड़े शब्दों में निन्दा की है। उन्होंने कहा कि ऐसे बयानों के माध्यम से भाजपा नेता प्रदेश की सद्भाव, सम्मान और राजनीति की मर्यादा को लगातार तार-तार कर रहे हैं, जो कि राजस्थान के गौरवमयी राजनीतिक इतिहास पर कलंक है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भैरोंसिंह शेखावत ने कभी भी सदन में या सदन के बाहर इस प्रकार की आधारहीन बात पर कभी कोई टिप्पणी नहीं की और ना ही भाजपा ने इतने लंबे समय तक इस मुद्दे को सदन में कभी उठाया।

अब, जब दोनों नेता दिवंगत हो चुके हैं, इस प्रकार की बातें करना औचित्यहीन है और भाजपा द्वारा अपने विधायक के झूठे आरोपों पर चुप्पी साधे रहना बेहद शर्मनाक है। पायलट ने कहा कि स्व. माथुर स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा रहा है। गांधीवादी विचारधारा के समर्थक स्व. माथुर का पूरा जीवन देश एवं प्रदेश की सेवा तथा जनहित के कार्यों के प्रति समर्पित रहा। ऐसे व्यक्ति के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी किया जाना भाजपा की नफरत की राजनीति और ओछी मानसिकता का परिचायक है।

कातिल एसडीओ गिरफ्तार, आशनाई छुपाने के लिए की थी पत्नी की हत्या

» डीजीपी की कोशिशों के बाद गिरफ्तार हुआ हत्यारोपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। पत्नी को जलाकर मार डालने के आरोपी हजारीबाग के पूर्व एसडीओ अशोक कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह रांची के जगन्नाथपुर थाना में छिपकर रह रहे थे। हजारीबाग सदर सब डिवीजन के एसडीपीओ अमित आनंद ने उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। उन्हें सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। पूर्व एसडीओ की पत्नी अनिता कुमारी पिछले साल 26 दिसंबर को हजारीबाग स्थित सरकारी आवास में संदिग्ध परिस्थितियों के बीच आग लगने से बुरी तरह झुलस गई थीं।

बाद में रांची के अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। इस मामले में अनिता कुमारी के भाई राजू कुमार गुप्ता ने एसडीओ और उनके परिवार के लोगों पर उनकी बहन को जिंदा जलाकर मारने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप लगाया गया था कि आरोपी एसडीओ का किसी अन्य महिला के साथ अवैध संबंध है। इस वजह से वह पत्नी को प्रताड़ित करते थे। इसके पूर्व एसडीओ की पत्नी ने भी अपने पति पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी।

भाजपा के 16 दागी विधायक पहुंचे विस

» 31 दागी विधायकों में 15 आप के भी हैं शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विस चुनाव में इस बार आपराधिक मामले झेल रहे विधायकों की संख्या में कमी आई है। चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के अनुसार पिछली बार की तुलना में इस बार 70 में से जीते हुए 31 विधायक ही ऐसे रहे जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। पिछली बार यही संख्या 43 थी। पार्टी के हिसाब से देखें तो भाजपा के 48 विधायकों में से 16 और आप के 22 विधायकों में से 15 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। भाजपा के सात और आप के 10 विधायक गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं।

एडीआर और दिल्ली इलेक्शन वॉच ने विधानसभा चुनाव लड़ने वाले सभी 699 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया और पाया कि गंभीर आपराधिक मामलों वाले विजयी उम्मीदवारों की संख्या अभी भी चिंता का विषय है। रिपोर्ट में पाया गया कि 17 नवनिर्वाचित उम्मीदवारों पर गंभीर आपराधिक मामले चल रहे हैं, जिनमें हत्या के प्रयास और महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले भी शामिल हैं। 2020 के चुनाव में 37 विजयी उम्मीदवारों ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए थे। 2025 में एक नवनिर्वाचित विधायक ने हत्या के प्रयास से संबंधित मामले घोषित किए हैं, जबकि दो अन्य महिलाओं के खिलाफ अपराध के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

64 फीसदी नए विधायकों के पास है स्नातक की डिग्री

64 प्रतिशत नए विधायकों के पास स्नातक या उससे ऊपर की डिग्री है, जबकि 33 प्रतिशत ने अपनी शैक्षणिक योग्यता कक्षा 5 से कक्षा 12 के बीच बताई। उम्र के मामले में, 67 प्रतिशत विजयी उम्मीदवार 41 और 60 के बीच हैं, जबकि 20 प्रतिशत 60 वर्ष से अधिक आयु के हैं।

महिलाओं का प्रतिनिधित्व घटा

इस बार महिलाओं का प्रतिनिधित्व घटा है। केवल पांच महिलाएं ही चुनी गई हैं, जो 2020 में आठ से कम है। फिर से चुने गए विधायकों की संपत्ति में वृद्धि पर भी प्रकाश डाला गया है। सदन के लिए फिर से चुने गए 22 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 2020 में 7.04 करोड़ रुपये से 25 प्रतिशत बढ़कर 2025 में 8.83 करोड़ रुपये हो गई है।

घर में इंग्लैंड से भारत ने जीती लगातार 7वीं सीरीज

» दूसरे वनडे में चार विकेट से दी मात

» रोहित शर्मा की फॉर्म में वापसी, बनाये 119 रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। भारत ने दूसरे वनडे में इंग्लैंड को चार विकेट से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। कटक के बाराबटी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने बेन डकेट और जो रूट की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 49.5 ओवर में 10 विकेट पर 304 रन बनाए। जवाब में भारत ने रोहित शर्मा की शतकीय पारी (119 रन) की बदौलत 44.3 ओवर में छह विकेट गंवाकर 308 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ भारत ने इंग्लैंड पर घर में लगातार सातवीं वनडे सीरीज जीत ली है। इसके अलावा विश्व कप 2023 के बाद से वनडे में यह इंग्लैंड की लगातार चौथी हार है। वहीं, पिछले 10 वर्षों में भारत के खिलाफ इंग्लैंड की नौवीं शिकस्त है। 300+ स्कोर करने के बाद इंग्लैंड को 28वीं बार हार का सामना करना पड़ा है। बता दें लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार हुई थी। रोहित शर्मा और शुभमन गिल के बीच पहले विकेट के लिए 136 रनों की साझेदारी हुई, जिसे जैमी ओवरटन ने तोड़ा। गिल ने 52 गेंदों में 60 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए विराट कोहली एक बार फिर ऑफ स्टंप के बाहर जा रही गेंद पर आउट हो गए। वह सिर्फ पांच रन बना सके।

बतौर कप्तान 50 मैचों में सर्वाधिक वनडे जीतने वाले दूसरे भारतीय बने रोहित

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा 50 वनडे मैचों के बाद सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाले दूसरे भारतीय बन गए। इस मामले में शीर्ष पर पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली है। इंग्लैंड को दूसरे वनडे में हराकर रोहित शर्मा ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। इस मामले में विविएन रिचर्ड्स के साथ संयुक्त रूप से तीसरे कप्तान बन गए। उनकी अगुआई में टीम इंडिया ने 36 वनडे मुकाबलों में जीत दर्ज की है। इस मामले में शीर्ष पर सी लॉयड (वेस्टइंडीज), रिकी पॉंटिंग (ऑस्ट्रेलिया) और विराट कोहली (भारत) मौजूद हैं। तीनों ने बतौर कप्तान 39 मैचों में अपनी टीम को जीत दिलाई। दूसरे स्थान पर 37 मैचों में जीत के साथ हैन्सी क्रोनिये का नाम दर्ज है। चौथे स्थान पर अफ्रीका के ही शॉन पोलॉक हैं, जिन्होंने बतौर कप्तान टीम को 34 मुकाबले जिताए।

महाकुंभ में कुप्रबंधन से चारों ओर जाम, लोग कर रहे त्राहिमाम-त्राहिमाम

300 किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम प्रयागराज जाने वाली सड़कों पर

» विपक्ष ने यूपी सरकार व सीएम योगी पर साधा निशाना

» वीवीआईपी के सत्कार में जुटी सरकार, आमजन परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अभी महाकुंभ में खत्म होने में 15 दिन से ज्यादा समय बचे हैं। दो बड़े स्नान माघी पूर्णिमा व महाशिवरात्रि भी होने वाले हैं। इससे पहले मौनी अमावस्या पर भगदड़ में कई लोगों की जान चली गई थी। लोगों को संगम तक जाने में परेशानियों का सामना करन पड़ रहा है।

आलम यह है कि प्रयागराज जाने वाले हर मार्ग पर भीषण जाम लगा हुआ है। श्रद्धालु जाम में फंसे है और भोजन पानी के लिए त्राहिमाम कर रहे है। सरकार है कि आम लोगों की सुधि छोड़कर वीवीआईपी के आवभगत में लगी हुई है। इन सब परेशानियों को देखते हुए विपक्ष ने योगी सरकार पर जमकर हमला बोला है।

संगम मार्ग पर सैकड़ों वाहन कतार में लगे

रविवार को संगम मार्ग पर सैकड़ों वाहन कतार में खड़े देखे जा सकते थे और तीर्थयात्रियों की व्यवस्थित आवाजाही के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की थी, जिससे वाहन धीमी गति से चल रहे थे। यह सड़क सिविल लाइंस से जुड़ती है और अगर कोई इसे नहीं चुनना चाहता है, तो वह त्रिवेणी संगम तक पहुँचने के लिए शास्त्री ब्रिज मार्ग ले सकता है।

अत्यधिक भीड़ के कारण प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन को भी शुक्रवार तक बंद कर दिया गया है।

कुप्रबंधन को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, ट्रैफिक जाम में फंसे भूखे, प्यासे, परेशान और थके हुए तीर्थयात्रियों को मानवीय दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। क्या आम श्रद्धालु इंसान नहीं हैं? लाखों श्रद्धालु अभी भी चल रहे महाकुंभ मेले में भाग लेने के लिए प्रयागराज की ओर बढ़ रहे हैं, इसलिए भीषण ट्रैफिक जाम ने शहर को अस्त-व्यस्त कर दिया है, तीर्थयात्री पवित्र स्नान के लिए समय पर त्रिवेणी संगम - गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम - तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

यूपी सरकार विफल हो चुकी है : अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी सरकार विफल हो चुकी है। यह केवल अहंकार से भरे झूठे विज्ञापनों में दिखाई देती है, लेकिन वास्तव में यह जमीन पर गायब है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख ने सोमवार को भी उत्तर प्रदेश सरकार पर हमला जारी रखते हुए एक अन्य ट्वीट में दोहराया कि मुख्यमंत्री पूरी तरह विफल हो चुके हैं तथा उपमुख्यमंत्री और प्रयागराज से जुड़े कई प्रमुख मंत्री गायब हैं। जिन्हें जनता के बीच होना चाहिए था, वे घर बैठे हैं।

अत्यधिक भीड़ के चलते प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन को 14 फरवरी तक बंद कर दिया गया है।

यूपी में वाहनों को टोल मुक्त किया जाए

एक पोस्ट में समाजवादी पार्टी के प्रमुख ने कहा, महाकुंभ के अवसर पर यूपी में वाहनों को टोल मुक्त किया जाना चाहिए। इससे यात्रा की समस्याएँ कम होंगी और ट्रैफ़िक जाम की समस्या भी कम होगी। जब फ़िल्मों को मनोरंजन कर मुक्त किया जा सकता है, तो वाहनों को टोल मुक्त क्यों नहीं किया जा सकता? अखिलेश यादव ने कहा कि लखनऊ की ओर प्रयागराज में प्रवेश से 30 किलोमीटर पहले नवाबगंज में जाम लगा हुआ है, रीवा रोड से 16 किलोमीटर पहले गौहनिया में जाम लगा हुआ है, तथा वाराणसी की ओर 12 से 15 किलोमीटर तक जाम लगा हुआ है तथा भीड़ के ट्रेन के इंजन में घुसने की खबरें हर जगह छप रही हैं। सामान्य जीवन दूभर हो गया है।

प्रयागराज संगम स्टेशन को बंद करने का निर्णय : रेलवे

“ वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (उत्तर रेलवे), लखनऊ कुलदीप तिवारी ने बताया कि प्रयागराज संगम स्टेशन के बाहर भारी भीड़ के कारण यात्रियों को स्टेशन से बाहर निकलने में परेशानी हो रही थी, इसलिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज संगम स्टेशन को बंद करने का निर्णय लिया गया। उत्तर मध्य रेलवे ने श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर अगले आदेश तक एकल दिशा यातायात व्यवस्था लागू कर दी है।

कांग्रेस सभी पार्टियों को साथ लेकर चले : राउत

» बोले- गठबंधन की राजनीति में अहंकार नहीं होना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की करारी हार को लेकर कई नेताओं की प्रतिक्रिया सामने आने लगी है। वहीं इंडी गठबंधन में टूट की चर्चा ने जोर पकड़ लिया है। भाजपा तो पहले ही इस गठबंधन पर सवाल उठाती रही है, उब इसके हिस्सेदार भी उसपर सवाल उठाने लगे हैं।

अब आम आदमी पार्टी की हार को लेकर, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि अगर दोनों पार्टियां (कांग्रेस और आप) एक साथ बैठतीं, चर्चा करतीं और समझौता करतीं, तो भाजपा को राष्ट्रीय राजधानी में जीत हासिल नहीं होती। राउत ने कांग्रेस से इंडिया ब्लॉक में सभी को साथ लेकर चलने का एलान किया। इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस

हमारी वरिष्ठ साझेदार है और गठबंधन में काम करने वाले सभी लोगों का मानना है कि सभी को साथ लेकर चलना बड़े साझेदार की जिम्मेदारी है। यह जिम्मेदारी आप पर भी थी और चर्चा होनी चाहिए थी। लेकिन नतीजा यह हुआ कि आप ने सत्ता खो दी और कांग्रेस को कुछ हासिल नहीं हुआ।

अगर दोनों पार्टियां एक साथ बैठतीं, बातचीत करतीं और समझौता करतीं, तो बीजेपी उस तरह से जीत हासिल नहीं कर पाती, जैसा उसने किया। गठबंधन में बड़े भाई के रूप में कांग्रेस को हमेशा धैर्य और परिपक्वता के साथ अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

नगर निगम के पार्कों को मिला पहला स्थान

राजभवन में लगी प्रादेशिक फल शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राज भवन प्रांगण लखनऊ प्रादेशिक फल शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी 2025 में नगर निगम लखनऊ के पार्कों में सौंदर्यीकरण के कामों के लिए पहले स्थान का अवॉर्ड मिला। नगर निगम द्वारा अलग अलग जगहों में बनी पार्कों का सौंदर्यीकरण विपुल खंड,गोमती नगर उपवन पार्क 10,हजार वर्ग मीटर में बनी पार्क राधा निकुंज पार्क सेक्टर (8)कॉलोनी महुआ सेक्टर (सी) इंद्रानगरपार्क, निराला नगर नर्सरी पार्क वार्डो के पार्कों का सौंदर्यीकरण करने पर राज्यपाल द्वारा अवॉर्ड दया गया।

सभी विभागों द्वारा पार्कों का सौंदर्यीकरण का कंपटीशन रहता है जिसमें नगर निगम,आवास विकास,लखनऊ विकास प्राधिकरण, व अन्य विभागों के पार्कों के प्रतियोगिता में नगर निगम चार पार्कों में प्रथम स्थान प्राप्त किया चार पार्कों में द्वितीय और चार पार्कों में तृतीय स्थान प्राप्त किया वहीं शिवरी राजकीय कार्यालयों के उद्यानों में द्वितीय स्थान पर रहा है।

अधिकारियों ने हासिल की रनिंग शील्ड

नगर निगम द्वारा प्रतियोगिता पार्कों व अन्य श्रेणियों में तैयारी वरिष्ठ प्रभारी उद्यान डॉ अरविंद कुमार राव अपर नगर आयुक्त के निर्देशन में कराई गई। नगर निगम को प्रथम श्रेणी रनिंग शील्ड अपर नगर आयुक्त ललित कुमार द्वारा प्राप्त की गई। वहीं महुआ पार्क अपनी कैटेगरी में पहले स्थान पर रहा, जिसमें रनिंग शील्ड उद्यान अधीक्षक गंगा राम गौतम द्वारा प्राप्त की गई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।